क्यों कई हिंदुओं ब्रह्मा सूत्र (संस्कृत पाठ) में इस तथ्य की अनदेखी करते हैं

क्या आप जानते हैं कि मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के वालिद का नाम कल्कि औतार के तौर पर ज़िक्र गिया गया है अगर आप कल्कि पुराण पढ़ें तो इस में अध्याय 2 खण्ड 14,11,9,7,5 में ज़िक्र है कि उनके वालिद का नाम विष्णु याश होगा, विष्णु का अर्थ है अल्लाह, याश का अर्थ है नौकर और अरबी भषा में इसका अर्थ हुआ अब्दुललाह, नबी शल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की माँ का नाम विसोमति ज़िक्र किया गया है, जिसका अर्थ है पुरअमन। अगर उसे आप अरबी ज़ुबान में तर्जुमा करें तो इसका अर्थ आमिना होता है, मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की माँ का नाम आमिना है, उसमें यह भी ज़िक्र है कि उनका जन्म सम्बाला में होगा, जिसका अर्थ पुरअमन जगह है, जो मक्का है, वह शहर के बडे खानदान में पैदा होंगे, वह क़ुरैश खानदान में पैदा होंगे, वह मदहाफ के महीना में पैदा होंगे जो कि रबीउलअव्वल का बारहवां दिन है, उसमें यह भी लिखा है कि वह पूरी इंसानियत के लिये मुअल्लिम होंगे, हमें मालूम है कि मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम पूरी इंसानियत के लिये मुअल्लिम बना कर भेजे गये, उसमें यह भी लिखा है कि उन्हे वह हिरा नामी गुफा में मिलेंगी, और ऐसा ही हुआ, यह कहता है कि उन्हें उत्तर की तरफ हिजरत करना होगा फिर वापस आना होगा, और ऐसा ही हुआ, वह यह भी कहता है कि उनकी जंग के मैदान में फरिश्तों के ज़रिया मदद की जाएगी हम जानते हैं कि फिरिश्तों ने मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की बद्र की लडाई में मदद की थी। मैं केवल मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की भविष्यवाणी के बारे में बात कर सकता हूँ इसलिये अगर आप एक हिन्दू हैं और अपनी मज़हबी किताब पर यक़ीन रखते हैं, तो आप को हिन्दूमत के आखरी संदेष्टा पर ईमान लोना होगा और वह मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम हैं।

> और तुम्हारा पूज्य एक ही[1] पूज्य है, उस अत्यंत दयालु, दयावान के सिवा कोई पूज्य नहीं।

#Hindi #Hindus

مركز أصول العالمي
OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

छऋन्दौके उपनिषद

हिंदू धर्म को सच्ची विश्वास सिखाते हैं

हिन्दिूमत के बरखलिाफ, यजुर्वेद अध्याय 1, जलि्द 31, में है कि इस्लाम में सभी इन्सान बराबर ह इस्लाम एक आलमी मज़हब है।

तथा प्रत्येक समुदाय के लिए हमने क़ुर्बानी की वधि निर्धारति की है, ताकि वे अल्लाह का नाम लें उसपर, जो प्रदान किये हैं उन्हें पालतू चौपायों में से। अतः, तुम्हारा पूज्य एक ही पूज्य है, उसी के आज्ञाकारी रहो और (हे नबी!) आप शुभ सूचना सुना दें विनीतों को।

OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

हिंदुओं को सत्य की तलाश और अपने ग्रंथों का अध्यन करना चाहिए

इन्सान के लिये अल्लाह के नज़दीक फैसले का आधार एक दूसरे इन्सान से बेहतर होगा, वंश, या

(हे ईश दूत!) कह दोः अल्लाह अकेला है।अल्लाह निःछिद्र (बेनियाज़) है।न उसकी कोई संतान है और न वह किसी की संतान है।और न उसके बराबर कोई है।

مركز أصول العالمي
OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

हिंदुओं को क्यों इस्लाम अपनाने के बारे में सोचना चाहिए

इस्लाम में कोई जन्म पत्र नहीं है मुसलमान को जन्म पत्र में यक़ीन नहीं है, उसे हिन्दुमत में कुन्डली कहा जाता है, कुन्डली आप की तारीख लिखने के लिये है एक शख़्स (जन्म पत्र देखने वाला) आप को बता देगा कि जब आप हुए तो सूरज और चाँद कहाँ थे जिस से आप अपनी क़िस्मत जान सकते हैं।

तथा वह कहेंगेः यदि हमने सुना और समझा होता तो नरक के वासियों में न होते।

مركز أصول العالمي
OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

हिंदू शास्त्रों में
कई विरोधाभास हैं।

आसमानी कतिाबों में से कु़र्आन में तौरात , ज़बूर, इन्जील और कु़र्आऩ, केवल चार का ज़क्रि कयिा गया है, तौरात मूसा अलैहस्सिलाम पर कु़र्आन नबी सलल्ल्लाहु अलैहि व सल्लम पर, इन्जीन ईसा अलैहस्सिलाम पर और ज़बूर दाऊद अलैहस्सिलाम पर उतारी गई, इन चार कतिाबों के इलावह और भी आसमानी कतिाबें उतारी गई औऱ सहीफे सन्देष्टाओं को दयि गये।

हे लोगो! तुम्हारे पास तुम्हारे पालनहार की ओर से खुला प्रमाणआ गया है और हमने तुम्हारी ओर खुली वह्यी उतार दी है। तो जो लोग अल्लाह पर ईमान लाये तथा इस (क़ुर्आन) को दृढ़ता से पकड़ लिया, वे उन्हीं को अपनी दया तथा अनुग्रह से (स्वर्ग) में प्रवेश देगा और उन्हें अपनी ओर सीधी राह दिखा देगा।

OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

इस्लामी
निर्देश में शरीर को दफनाना पर्यावरण को लाभ पहुंचाता है इसके विपरीत हिंदू धर्म शरीर को जलाना सिखाता है

क़ुर्आन शरीफ सरि्फ मुसलमानों और अरबों के लयि नहीं है बल्कि यह समस्त मानव जाति के लयि है।

हज़रत इब्ने अब्बास से रवायित है कि अल्लाह के नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फरमाया, इस्लाम में नुक़सान उठाने या नुक़सान पहुंचाने की कोई गुंजाइश नहीं है ।

مركز أصول العالمي
OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com

GUIDE TO ISLAM

#Hindi #Hindus

guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com

contact us:
@Guidetoislam.com

शरीर को दफनाना सकारात्मक रूप से पर्यावरण को प्रभावित करता है और भूमि अधिक उपजाऊ हो जाती है।

चूंकि क़ुर्आन शरीफ अन्तिम सन्देष है इसके बाद कोई वहि नहीं आऐगी इस लिये इसका अनुसरण क़यामत के दिन तक की जायेगी।

फैल गया उपद्रव जल तथा[1] थल में लोगों के करतूतों के कारण, ताकि वह चखाये उन्हें उनके करतूतों के फल, (बहुत) संभव है कि वह रुक जायें।

مركز أصول العالمي
OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

मृत शरीर को

दफनाना पर्यावरण को लाभ देता है।

आज दुनियां में तमाम इंसानों को अल्लाह की अन्तमि और यक़ीनी वह्ा की पैरवी करनी चाहयि, पवति्र क़ुरआन और अन्तमि ईश्दूत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहा वि सल्लम की।

हज़रत इब्ने अब्बास से रवािेयत है क अिल्लाह के नबी सल्लल्लाहु अलैहा वि सल्लम ने फरमाया, इस्लाम में नुक़सान उठाने या नुक़सान पहुंचाने की कोई गुंजाइश नहीं है ।

مركز أصول العالمي
OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

दफनाने

वाले शरीर उन्हें जलाने की तुलना में ज्यादा सहानुभूति रखते हैं।

भगवत गीता अध्याय 7 खण्ड 20 : वह लोग जिनकी समझ बूझ को भौतिक इच्छाओं ने छीन लिया है अपने गढ़े हुऐ देवताओं की ईबादत करते हैं इस का अर्थ यह है कि अगर भौतिक वादी हैं तो आप झूठे अर्ध देवताओं की इबादत करते हैं।

हज़रत इब्ने अब्बास से रिवायत है कि अल्लाह के नबी सल्लल्लाहु अलैहि वि सल्लम ने फरमाया, इस्लाम में नुक़सान उठाने या नुक़सान पहुंचाने की कोई गुंजाइश नहीं है ।

OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us: @Guidetoislam.com

सबसे पवित्र हिंदू शास्त्र यजुर्वेद, स्वीकार करता है कि भगवान की कोई छवि नहीं है।

फर्ज़ करो आप झूठे माबूद की ईबादत करते हैं, मन्दरि जाते हैं और बुतों की पूजा करते हैं और आपको ऐसा लग रहा हो कि आप की ईबादत का जवाब दयिा जाता है, तो इसका मतलब यह कदापि नहीं है कि आप हक़ीक़ी अल्लाह की पूजा करते हैं बल्कि अल्लाह आप की आज़माईएश कर रहा है।

वह आकाशों तथा धरती का रचयिता है। उसने बनाये हैं तुम्हारी जाति में से तुम्हारे जोड़े तथा पशुओं के जोड़े। वह फैला रहा है तुम्हें इस प्रकार। उसकी कोई प्रतिमा नहीं और वह सब कुछ सुनने-जानने वाला है।

#Hindi #Hindus

OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

कुंडली अनुमान का झूठ है।

बहुत से लोग जो ग़ैर मुस्लिम हैं, वह अमीर हैं वह एक शांदार ज़िन्दगी गुज़ार रहे हैं, दौलत जन्नत में जाने का मेअयार नहीं है क़ुरआन का कहना है की दौलत एक इम्तेहान है आप के पास कोई अच्छी चीज़ हो, वह दो चीज़ों में से एक होती है, वरदान या अल्लाह की आज़माईश, कोई भी बुरी चीज़ अल्लाह की सज़ा या आज़माईश हो सकती है।

हमने आकाश में राशि-चिक्र बनाये हैं और उसे देखने वालों के लिए सुसज्जित किया है। और उसे प्रत्येक धिक्कारे हुए शैतान से सुरक्षित किया है। परन्तु जो (शैतान) चोरी से सुनना चाहे, तो एक खुली ज्वाला उसका पीछा करती[1] है।

Osoul Global Center www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us: @Guidetoislam.com

नोबल क़ुरान
में पवित्र ग्रंथों के नाम है

आप दौलत के लिये दुआ करते हैं अल्लाह आपको दौलत दे देता है, जांचने और परखने के लिये कि आप सही और सच्चे रासते पर चलते हैं या नहीं।

तथा (हे नबी!) हम भेज चुके हैं बहुत-से रसूलों को आपसे पूर्व, जिनमें से कुछ का वर्णन हम आपसे कर चुके हैं तथा कुछ का वर्णन आपसे नहीं किया है तथा किसी रसूल के (वश)[1] में ये नहीं था कि वह कोई आयत (चमत्कार) ले आये, परन्तु अल्लाह की अनुमति से। फिर जब आ जायेगा अल्लाह का आदेश, तो निर्णय कर दिया जायेगा सत्य के साथ और क्षति में पड़ जायेंगे वहाँ, झूठे लोग।

नोबल कुरान की प्रामाणिकता अनोखा और बेमिसाल है।

छान्दोग्य उपनिषद अध्याय 6 खण्ड 2 श्लोक 1 में ज़िक्र किया गया है कि अल्लाह सिर्फ एक है दूसरा नहीं।

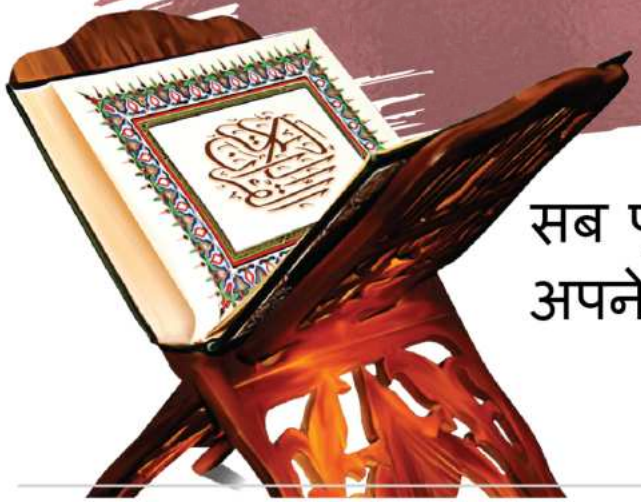

सब प्रशंसा उस अल्लाह के लिए है, जिसने अपने भक्त पर ये पुस्तक उतारी और उसमें कोई टेढ़ी बात नहीं रखी।

OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM

#Hindi #Hindus

guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com

contact us:
@Guidetoislam.com

"मलेच्छ"
वैश्विक सन्देशवाहक मुहम्मद का नाम है

श्वेताश्वता उपनषिद 6: अश्लोक 9 में है कि उस अल्लाह का ना कोई मां बाप है और ना वह कसिी का माँ बाप है।

और नहीं भेजा है हमने आप को, परन्तु सब मनुष्यों के लिए शुभ सूचना देने तथा सचेत करने वाला बनाकर। किन्तु, अधकि्तर लोग ज्ञान नहीं रखते।

OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

इस्लाम में जीवन साथी कैसे चुनें

श्वेताश्वता उपनिषद अध्याय 4 अश्लोक 19 में है अल्लाह का कोई प्रतिमा नहीं है, संस्कृत में प्रतिमा एक शब्द है जिसका उदाहरण मूर्ति है इसका अर्थ यह है कि अल्लाह की कोई तस्वीर, कोई पेन्टिंग कोई मूर्ति नहीं है।

अबू हुरैरह कहते हैं कि अल्लाह के नबी ने फरमाया, किसी औरत से निकाह चार चीज़ों की बुनियाद पर की जाती है, (1) उसका मालदार होना (2) उसका ऊंचे खानदान से होना (3) उसका खूबसूरत होना (4) उसका दीनदार होना, अतः दीनदार औरत को अपनाओ, और तुम्हारे दोनों हाथ खाक आलूद हों।

مركز أصول العالمي
Osoul Global Center
www.osoulcenter.com

GUIDE TO ISLAM

#Hindi #Hindus

guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com

contact us:
@Guidetoislam.com

यहां तक कि पैगंबर मुहम्मद के माता-पिता के नाम हिंदू ग्रंथों में अब्दुल्ला और आमना के रूप में उल्लेख हैं।

हम सबसे पवत्िर हन्िदू ग्रन्थ यजुर्वेद अध्याय 32 अश्लोक 2 में पढ़ते हैं कि इस अल्लाह का कोई प्रतमिा नहीं है।

और नहीं भेजा है हमने आपको, परन्तु सब मनुष्यों के लिए शुभ सूचना देने तथा सचेत करने वाला बनाकर। कन्ितु, अधक्ितर लोग ज्ञान नहीं रखते।

OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

इस्लाम में निर्णय लिंग, रंग, जाति या धन से नहीं है बल्कि सच्चाई के साथ है।

हिन्दुओं को अपने मज़हबी ग्रन्थों पर अमल करना चाहिये, जिसमें है कि अल्लाह की कोई मूर्ति, कोई फोटू नहीं, अतः खुदा की तसवीर बनाना, या मूर्ति बनाना, या उसकी मिसाल देना हिन्दू धर्म में मना है।

हे मनुष्यो! हमने तुम्हें पैदा किया एक नर तथा नारी से तथा बना दी हैं तुम्हारी जातियाँ तथा प्रजातियाँ, ताकि एक-दूसरे को पहचानो। वास्तव में, तुम में अल्लाह के नज़दीक सबसे अधिक आदरणीय वही है, जो तुममें अल्लाह से सबसे अधिक डरता हो। वास्तव में अल्लाह सब जानने वाला है, सबसे सूचित है।

مركز أصول العالمي
OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com

GUIDE TO ISLAM

#Hindi #Hindus

contact us:
@Guidetoislam.com

guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com

जो अकेले अल्लाह की पूजा नहीं करते वे आध्यात्मिक रूप से गहरे अंधकार में हैं।

वैज्ञानिकों ने यह स्पष्ट कर दिया है जिस प्रकार हमारा शरीर जिन तत्वों से मिल कर बना है उसी प्रकार पृथ्वी इन्ही तत्वों से मिलकर बनी है इस्लाम में मुर्दों को दफन करना स्वभाविक है न कि शव को जला कर प्रयावरण को दूषित करना।

या उन अंधेरों की तरह है जो बहुत गहरे समुद्र हों जिसे जिसे ऊपर नीचे की धाराओं ने ढ़क लिया हों , फिर ऊपर से बादल छाये हों, यानी अंधेरे हैं जो ऊपर नीचे एक के ऊपर एक हों। जब अपना हाथ निकाले तो उसे भी मुमकिन है न देख सके, और (बात यह हैकि) अल्लाह जिसे प्रकाश न दे, उसके लिए कोई प्रकाश नहीं।

مركز أصول العالمي
OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com

GUIDE TO ISLAM

#Hindi #Hindus

guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com

contact us:
@Guidetoislam.com

मूर्तिपूजा

लोगों को सत्य से भटकाता है

हिन्दू धर्म में जब आप जिस्म को जलाते हैं, दरख्तों को काटते हैं जिस से हरयाली चली जाती है और पर्यावरण को बर्बाद कर दिया जात है, जब कि इस्लाम में मुर्दे को दफनाते हैं, जिस से ज़मीन उपजाऊ हो जाती है और पेड भी उग जाते हैं, यह जिस्म खाद बन जाता है इस प्रकार पेड़ों को काटना नहीं पड़ता है जो कि पर्यावरण के लिये मुफीद है।

तुफ़ (थू) है तुम पर और उसपर जिसकी तुम इबादत (वंदना) करते हो अल्लाह को छोड़कर। तो क्या तुम समझ नहीं रखते हो?

مركز أصول العالمي
OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com

GUIDE TO ISLAM

#Hindi #Hindus

guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com

contact us:
@Guidetoislam.com

हिंदू

मूर्तिपूजा में विश्वास के शिकार होते हैं

इस्लाम में शव को दफन करना सस्ता और सरल होता है जब कि शिवदहन खरचीला होता है इस्लाम धर्म में लाशों को दफनाने के कुछ सालों बाद उसी ज़मीन को इसतेमाल किया जा सकता है, यह हमेशा के लिये हो जाता है, आप उसे दोबारा काम में ला सकते हैं।

क्या आप समझते हैं कि उनमें से अधिक्तर सुनते और समझते हैं? वे पशुओं के समान हैं, बल्कि उनसे भी अधिक कुपथ हैं।

हिंदू धर्म और इस्लाम के बीच अंतर

इस प्रकार जब हम तुलनात्मक विश्लेषण करते है तब शवदहन की अपेक्षा शव को धफनाना अधिक स्वभाविक एंव उपयुक्त पाते हैं,

उनसे पूछोः आकाशों तथा धरती का पालनहार कौन है? कह दोः अल्लाह है। कहो कि क्या तुमने अल्लाह के सिवा उन्हें सहायक बना लिया है, जो अपने लिए किसी लाभ का अधिकार नहीं रखते और न किसी हानि का? उनसे कहोः क्या अन्धा और देखने वाला बराबर होता है या अन्धेरे और प्रकाश बराबर होते हैं[1]? अथवा उन्होंने अल्लाह का साझी बना लिया है ऐसों को, जिन्होंने अल्लाह के उत्पत्ति करने के समान उत्पत्ति की है, अतः उत्पत्ति का विषय उनपर उलझ गया है? आप कह दें कि अल्लाह ही प्रत्येक चीज़ का उत्पत्ति करने वाला है,और वही अकेला प्रभुत्वशाली है।

OsoulGlobalCenter www.osoulcenter.com

GUIDE TO ISLAM

#Hindi #Hindus

guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com

contact us: @Guidetoislam.com

सच्चा ईश्वर कौनसा है?

ईसाइयों की इन्जील के
इलावह यहूदियों के सहीफों में भी
मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का
नाम है, मूसा अलैहिस्सिलाम पर नाज़िल की गई
किताब तौरात के पांचवे हिस्सा के अध्याय 18, में,
ईसा अलैहिस्सिलाम की किताब में अध्याय 12, 29
पर और इसी प्रकार सुलैमान अलैहिस्सिलाम के
गीत अध्याय 6,5 में भी ज़िक्र है।

हे मेरे क़ैद के दोनों साथियो! क्या
विभिन्न पूज्य उत्तम हैं या एक
प्रभुत्वशाली अल्लाह??

OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

प्रत्येक हिंदू के लिए निमंत्रण है कि वह अपने धर्मग्रंथ का अध्ययन करे

नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का ज़क्रि
इन्जील कताब जान , अध्याय 26: 15 में है और
इसी इन्जील में अध्याय 7, 16 और 12, 16 – 14
में भी है।

तो (हे नबी!) आप एकाग्र (एकसू) होकर अपना मुँह दीन की तरफ केन्द्रति कर दें, अल्लाह (तआला) की वह फतिरत जसि पर उसने लोगों को पैदा कयिा है। अल्लाह तआला के बनाये को बदलना नहीं, यही स्वभावकि धर्म है, कन्तिु अधक्तिर लोग नहींजानते।

OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com

GUIDE TO ISLAM

#Hindi #Hindus

guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com

contact us:
@Guidetoislam.com

हिन्दू शास्त्रों में एकेश्वरवाद छंद का अध्ययन हिंदुओं द्वारा किया जाना चाहिए।

हिन्दू धर्म में मज़हबी किताबों की दो किस्में हैं, 1 स्मृति, 2 श्रुति. श्रुति का अर्थ है अल्लाह का कलाम जिसमें वेद और उपनिषद है, स्मृति इन्सान का कलाम है,

हे मेरे क़ैद के दोनों साथियो! क्या विभिन्न पूज्य उत्तम हैं या एक प्रभुत्वशाली अल्लाह??

OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

सच्चा भगवान कौन है जिसकी हिंदुओं द्वारा पूजा की जानी चाहिए?

भविष्यि पुराण पर्व 3 खण्ड 13 अध्याय 3 अश्लोक 5 – 8 भविष्यि पुराण पर्व 3 खण्ड 13 अध्याय 3 अश्लोक 5 – 10 – 27 में संदेष्टा मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वि सल्लम के बारे में मलच्छि के नाम से है, उनका जक्रि अथर्व वेद कताब 20 अश्लोक 21 जल्दि 6 और 7 में है, अथर्व वेद कताब 20 अश्लोक 127, जल्दि 1- 14 उन्हें कन्टाप सक्टास कहा जाता है।

(हे ईश दूत!) कह दोः अल्लाह अकेला है।अल्लाह नःछिद्रि (बेनयाज़ि) है।न उसकी कोई संतान है और न वह कसिी की संतान है।और न उसके बराबर कोई है।

OsoulGlobalCenter www.osoulcenter.com

GUIDE TO ISLAM

#Hindi #Hindus

guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com

contact us: @Guidetoislam.com

प्रत्येक हिंदू को मूर्तियों की पूजा से बचना चाहिए

- मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की पेशिनगोई भविष्य पुराण पर्व खण्ड ३, अश्लोक 5 – 8 में मौजूद है भविष्यवाणी के अनुसार नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का नाम मोहम्मद, उनका तअल्लुक अरब से होगा, संस्कृति शब्द मरुस्थल का अर्थ रेगिस्तान है जो अरब से सम्बंधित है। मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के साथियों का खास तौर से ज़िक्र किया गया है सहाबा के तौर पर मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के इलावह कोई नबी नहीं था जिसके पास इतने साथी हों।

इब्राहीम ने कहाः क्या तुम इबादत (वंदना) करते हो उसकी जिसे पत्थरों से तराशते हो? जबकि अल्लाह ने पैदा किया है तुम्हें तथा जो तुम करते हो।

OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

हिंदू ग्रंथों में कुछ छंद सत्य हैं

अर्थवेद अध्याय 20 अश्लोक 127, में कुछ अबवाब कन्टाप सक्टास के नाम से जाने जाते हैं कन्टाप का अर्थ है, मुसीबतों और परेशानयियों को झेलने वाले, इस प्रकार अम्न व हफिज़त के सन्देश का अर्थ अरबी में क्या जाये तो इस्लाम है।

वह आकाशों तथा धरती का रचयिता है। उसने बनाये हैं तुम्हारी जातिमें से तुम्हारे जोड़े तथा पशुओं के जोड़े। वह फैला रहा है तुम्हें इस प्रकार। उसकी कोई प्रतिमा नहीं, और वह सब कुछ सुनने-जानने वाला है।

مركز أصول العالمي OsoulGlobalCenter www.osoulcenter.com

GUIDE TO ISLAM

#Hindi #Hindus

guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com

contact us: @Guidetoislam.com

कब तक हिंदू "अल्लाह: एक सच्चे परमेश्वर" को स्वीकार नहीं करेंगे

यजुर्वेद खण्ड 31 में ज़िक्र किया गया है अथर्वेद अध्याय 20 अश्लोक 127 जिल्द 1 – 14 में उनका ज़िक्र नराशंस के नाम से है, नर का अर्थ है आदमी और शंस का अर्थ है क़ाबिले क़द्र, और अरबी में इसका अर्थ मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम होगा।

और प्रत्येक समुदाय के लिए हमने क़ुर्बानी की विधि निर्धारित की है, ताकि वे अल्लाह का नाम लें उसपर, जो प्रदान किये हैं उन्हें पालतू चौपायों में से। अतः, तुम्हारा पूज्य एक ही पूज्य है, उसी के आज्ञाकारी रहो और (हे नबी!) आप शुभ सूचना सुना दें विनीतों को।